श्री आदिनाथ भगवान का मंदिर, डूँगला

यह शिखरबंद मंदिर बड़ीसादड़ी से 20 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य में स्थित है। ग्राम 600 वर्ष प्राचीन बताया गया है, ग्राम के साथ ही यह मंदिर निर्मित है। जो प्रतिमा वर्तमान में है वे प्रारम्भ से ही स्थापित है ।

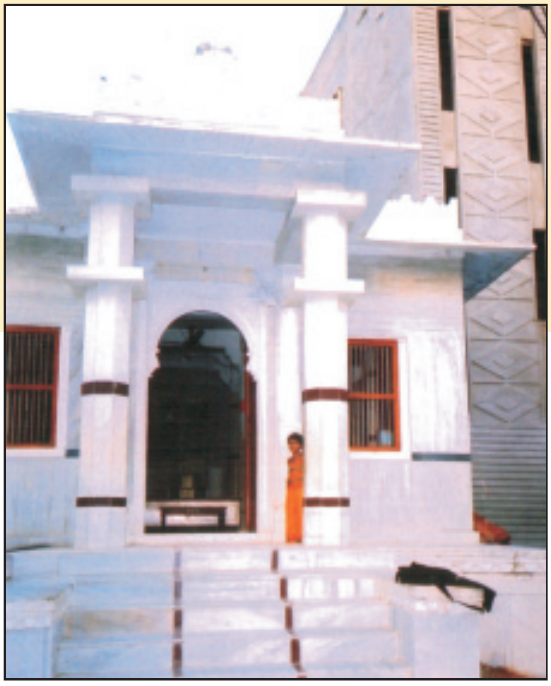

मंदिर में निम्न प्रतिमाएँ स्थापित हैं :

1. श्री आदिनाथ भगवान की (मूलनायक) श्याम पाषाण की 17'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है।
2. श्री शांतिनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 14'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर 2045 वै. सुदि 5 का लेख है।
3. श्री नेमीनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 14'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर 2045 वै. सुदि 5 का लेख है।

उत्थापित चल प्रतिमाएँ व यंत्र (धातु की) :

1. श्री शांतिनाथ भगवान की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2031 पौष वदि 10 का लेख है।
2. श्री सिद्धचक्र यंत्र 6'' गोलाकार है। इस पर संवत् 2031 का लेख है।
3. श्री अष्टमंगल यंत्र 6''x 3'' का है। इस पर संवत् 2031 का लेख है।

वेदी की दीवार के बीच आलिए में प्रासाद देवी की श्याम पाषाण की 6'' ऊँची प्रतिमा है।

विभिन्न आलिओं में :

1. गौमुख यक्ष की श्याम पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2056 माघ सुदि 6 का लेख है।
2. श्री चक्रेश्वरी देवी की श्याम पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2056 का लेख है।

बाहर चौकी पर :

1. श्री नेमिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की 19'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2055 का लेख है।
2. श्री नाकोड़ा भैरव की पीत पाषाण की 14'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2056 का लेख है।
3. श्री अधिष्ठायक देव की 7'' व 5'' ऊँची प्रतीक मूर्तियां हैं, सिन्दूर का प्रयोग होता है।

समय – समय पर जीर्णोद्धार होता रहा। वर्तमान में मूर्तिपूजक समाज का कोई सदस्य ग्राम में नहीं रहता।

वार्षिक ध्वजा माघ सुदि 5 को चढ़ाई जाती है।

मंदिर की देखरेख समाज की ओर से समाज के अध्यक्ष श्री शांतिलाल जी मेहता द्वारा की जाती है। सम्पर्क सूत्र – 9413252666

श्री चन्द्रप्रभ भगवान का मंदिर, अरनेड़

यह घूमटबंद मंदिर डुँगला से मंगलवाड़ रोड़ पर 5 किलोमीटर चलकर भीतर 3 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य में स्थित है।

यह मंदिर करीब 80 वर्ष प्राचीन है। कोठारी परिवार द्वारा निर्मित है। निर्माणकर्ता का देहान्त हो गया और उनके कोई सन्तान भी नहीं है। निर्माणकर्ता समाज का सुदृढ़ व्यक्तित्व वाला था उन्होनें भूमि का खनन कार्य किया उस समय मंदिर में स्थापित सभी प्रतिमाएँ खनन से प्राप्त हुई और मंदिर बनवाकर प्रतिष्ठा कराई।

मंदिर में निम्न प्रतिमाएँ स्थापित है :

1. श्री चन्द्रप्रभ भगवान की (मूलनायक) श्वेत पाषाण की 16'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1938 ज्येष्ठ शुक्ला 7 का लेख है।
2. श्री जिनेश्वर भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्याम पाषाण की 15'' ऊँची प्राचीन प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है।

3. श्री मुनिसुव्रत भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 15'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं हैं।

वेदी की दीवार के बीच प्रासाद देवी की श्वेत पाषाण की 7'' ऊँची प्रतिमा है।

बाहर :

1. अधिष्ठायक देवी की 15'' ऊँची प्रतीक मूर्ति है।
2. श्री जिनेश्वर भगवान की श्याम पाषाण की 12'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है।

पीछे की ओर – (परिक्रमा परिसर में) :

1. श्री आदिनाथ भगवान की श्याम पाषाण की 17'' ऊँची चतुर्विंशति प्रतिमा है। इस पर सं॰ 1930 का लेख है।
2. श्री पद्मावती देवी की श्याम पाषाण की 8'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है।

मंदिर के बाहर एक शिलालेख है संवत् 1982 ज्येष्ठ सुदि 12 का श्री मणिसूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित कराने का लेख है।

वार्षिक ध्वजा वैशाख सुदि 12 को चढ़ाई जाती है।

किसी का अहंकार भग्न करके
कोई सुखी हो ही नहीं सकता।
'अंहकार' तो उसका जीवन है।

श्री आदिनाथ भगवान का मंदिर, मंगलवाड़

यह शिखरबंद मंदिर चित्तौड़ से 45 किमी व उदयपुर से 65 किमी दूर मंगलवाड़ ग्राम के मध्य स्थित है। नजदीक रेल्वे स्टेशन चित्तौड़गढ़ है। कथनानुसार यह मंदिर 150 वर्ष प्राचीन बतलाया है। लगभग यही समय भी प्रतिमा पर अंकित है। पूर्व में मंदिर घूमटबंद था।

इस मंदिर में निम्न प्रतिमाएं स्थापित है :

1. श्री आदिनाथ भगवान की (मूलनायक) श्याम पाषाण की 12'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है।
2. श्री सुपार्श्वनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएँ) श्वेत पाषाण की 10'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर वि.सं. 1885 का लेख है।
3. श्री जिनेश्वर भगवान की (मूलनायक के बाएँ) श्वेत पाषाण की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर सं. 1836 का लेख है।
4. नीचे की वेदी पर श्री पार्श्वनाथ भगवान की श्याम पाषाण की 6'' ऊँची प्रतिमा है।

धातु की प्रतिमाएं व यंत्र :

1. श्री चतुर्विंशति 12'' ऊँची है। इस पर सं. 2043 का लेख है।
2. श्री नेमीनाथ भगवान की 7'' ऊँची पंचतीर्थी प्रतिमा है।

3–4 श्री पार्श्वनाथ भगवान की 2'' व 1.5'' ऊँची प्रतिमा है।

5. श्री सिद्धचक्र यन्त्र 4.5'' x 4.5'' के आकार का है।
6. श्री अष्टमंगल यन्त्र 5'' x 3'' के आकार का है। इस पर सं. 2065 का लेख है।

दोनों ओर :

1. श्री माणिभद्रवीर की श्वेत पाषाण की 10'' ऊँची प्रतिमा है। (बाईं ओर)
2. श्री सुमतिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की 17'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर साध्वी श्री महोदया श्री जी के सदुपदेश से कांता लेख है। (दाईं ओर)

वार्षिक ध्वजा आषाढ़ वदि 9 को चढ़ाई जाती है।

मंदिर की देखरेख ओसवाल समाज के मनोहरलाल जी व ललित जी ओस्तवाल करते हैं। सम्पर्क सूत्र : मोबाइल : 94605 36013

श्री आदिनाथ का मंदिर, चिकारड़ा

यह शिखरबंद मंदिर मंगलवाड़ चौराहा से असावरा माता की ओर जाने वाली सड़क से 10 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य स्थित है। कथनानुसार व उल्लेखानुसार यह मंदिर 150 वर्ष प्राचीन है। प्रतिमा पर उत्कीर्ण समय के आधार पर भी यही समय होता है।

इस मंदिर में निम्न प्रतिमाएँ स्थापित हैं :

1 श्री आदिनाथ भगवान की (मूलनायक) श्याम पाषाण की 11'' ऊँची प्रतिमा है । इस पर कोई लेख नहीं है ।

2 श्री पार्श्वनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वते पाषाण की 15'' ऊँची प्रतिमा है । इस पर संवत 1876 वैशाख सुदि 6 का लेख है ।

3 श्री महावीर भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 15'' ऊँची प्रतिमा है । इस पर संवत 1931 माघ वदि 7 का लेख है ।

उत्थापित धातु की प्रतिमाएँ :

1 श्री संभवनाथ भगवान की 7'' ऊँची पंचतीर्थी प्रतिमा है । इस पर संवत 1511 आषाढ़सुदि 2 गुरूवार का लेख है ।

2 श्री पार्श्वनाथ भगवान की 11'' ऊँची प्रतिमा है । इस पर सं. 2056 का लेख है।

3–4–5 श्री पार्श्वनाथ भगवान की 1.5'', 2'', 2.5'' ऊँची प्रतिमाएँ हैं । इन पर कोई लेख नहीं है ।

मंदिर की दो दुकानें है, स्थानकवासी सम्प्रदाय के सदस्यों के अधिकार में है। **इसके अतिरिक्त 20'x 60' का प्लॉट है ।** वार्षिक ध्वजा पोषसुदि 12 को चढ़ाई जाती है।

मंदिर की देखरेख समाज के सदस्यों द्वारा की जाती है। वर्तमान में श्री बद्रीलालजी सोनी देखरेख करते हैं। लेकिन विशेष रूचि श्री पूरणमलजी वीरानी द्वारा ली जाती है ।

सम्पर्क सूत्र : मोबाइल : 99294 13113

श्री महावीर भगवान का मंदिर, मोरवन

यह घूमटबंद मंदिर निम्बाहेड़ा से 20, मंगलवाड़ चौराहा से 5 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य में स्थित है। गांव मोखन मोरध्वज राजा के नाम से मोखन बसा है तथा 2000 वर्ष प्राचीन है। मंदिर पूर्व में घर देरासर के रूप से आदिनाथ भगवान का मंदिर संवत् 1800 के लगभग का है। वर्तमान में श्री महावीर भगवान का है। पूर्व में एक छोटे कमरे में वेदी पर प्रतिमाएँ विराजमान थी उसके पास ही मंदिर निर्मित कराया और प्रतिष्ठा सं. 2032 में सम्पन्न कराई। यह तृतीय श्रेणी का ठिकाना रहा है ।

मंदिर में निम्न प्रतिमाएँ स्थापित हैं :

1. श्री महावीर भगवान की (मूलनायक) श्वेत पाषाण की 17'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1826 का लेख है।
2. श्री मल्लिनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) की श्वेत पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।
3. श्री शांतिनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।

उत्थापित चल प्रतिमाएँ व यंत्र धातु की :

1. श्री शांतिनाथ भगवान की 9'' ऊँची पंचतीर्थी प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।
2. श्री पार्श्वनाथ भगवान की 2.2'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर अस्पष्ट लेख है।
3. श्री सिद्धचक्र यंत्र 4.5'' का गोलाकार है। इस पर संवत् 2032 माघ सुदि 3 का लेख हैं।
4. श्री अष्टमंगल यंत्र 6''x 3.5'' का है। इस पर संवत् 2032 माघ सुदि 3 का लेख है।

बाहर मंदिर में प्रवेश करते समय दाएं :

1. श्री शांतिनाथ भगवान की (मूलनायक) श्वेत पाषाण की 17'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1826 का लेख हैं।
2. श्री विमलनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 11'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 वै. सुद 6 का लेख है।
3. श्री सुमतिनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1826 का लेख है।

इसके आगे एक आलिए में – श्री सिद्धायिका देवी की श्वेत पाषाण की 12'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।

बाई ओर :

1. श्री मातंग यक्ष की श्वेत पाषाण की 12'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।
2. श्री माणिभद्र की श्वेत पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2032 का लेख है।

वार्षिक ध्वजा माह वदि 6 को चढ़ाई जाती है।

मंदिर की देखरेख श्री रोशनलालजी मेहता अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा विशेष रूचि श्री मदनलाल जी जैन (खेरोदिया) द्वारा ली जाती है।

सम्पर्क सूत्र : फोन 01470-246609

जहाँ मन-वचन-काया से चोरी नहीं होती वहाँ लक्ष्मीजी की कृपा रहती है। लक्ष्मी का अंतराय चोरी के कारण है।

श्री कुंथुनाथ भगवान का मंदिर, संगेसरा

यह घूमटबंद मंदिर मंगलवाड चौराहा से 11 व आकोला से 11 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य स्थित है। ग्राम 1000 वर्ष प्राचीन है, इतिहास के पन्नो पर भी उल्लेख है। यह मंदिर भी 500 वर्ष प्राचीन है कालान्तर में मंदिर ध्वस्त हो गया और पुनः संवत् 1914 के लगभग निर्मित हुआ। पूर्व में यह मंदिर श्री पार्श्वनाथ भगवान का मंदिर रहा है।

मंदिर में निम्न प्रतिमाएँ स्थापित हैं :

1. श्री कुंथुनाथ भगवान की (मूलनायक) श्वेत पाषाण की 21'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1545 का लेख है।
2. श्री आदिनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 19'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1991 मा.सुदि 13 का लेख है।
3. श्री शांतिनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 19'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1545 वै0 सुदि 3 का लेख है।

नीचे की वेदी पर :

श्री जिनेश्वर भगवान की (पार्श्वनाथ) श्याम पाषाण की 5'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर कोई लेख नहीं है। यह मूर्ति पूर्व की है। इसके अतिरिक्त एक प्रतिमा और थी वह खण्डित होने से विराजमान नही कराई।

उत्थापित चल प्रतिमाएँ व यंत्र धातु की :

1. श्री संभवनाथ भगवान की 7'' ऊँची पंचतीर्थी प्रतिमा है। इस पर संवत् 1614 वै.सुदि 2 का लेख है।
2. श्री सिद्धचक्र यंत्र 4''X 4'' का है। कोई लेख नहीं है।
3. श्री अष्टमंगल यंत्र 6''X 3.7'' का है। इस पर संवत् 2045 वै.सुदि 5 का लेख है।

वेदी की दीवार के बीच में श्री प्रासाद देवी की श्वेत पाषाण की 5'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर लेख नहीं है।

बाहर आलिओं में :

1. श्री धरणेन्द्र देव की श्वेत पाषाण की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर अस्पष्ट लेख है।
2. श्री पद्मावती देवी श्वेत पाषाण की 11'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर वीर संवत् 2478 चैत्र वदि 3 का लेख है।

सभामण्डप में एक देवरी में :

1. श्री पार्श्वनाथ भगवान की (मूलनायक) श्वेत पाषाण की 11'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2047 का लेख है।
2. श्री चन्द्रप्रभ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1545 वै0 सु0 3 का लेख है।
3. श्री सुविधिनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1545 वै.सुदि 3 का लेख है।

एक अन्य आलिए में 13'' X 9'' के पट्ट पर पादुकाए स्थापित है। कोई लेख नहीं है। संवत् 1999 में हुए जीर्णोद्धार का शिलालेख स्थापित है।

वार्षिक ध्वजा चैत्र वदि 3 को चढ़ाई जाती है।

मंदिर की देखरेदख भादसोड़ा के ट्रस्ट के न्यासी श्री भादविया जी करते है वहीं से पूजन सामग्री व अन्य खर्च उन्हीं द्वारा किये जाते हैं। समाज की ओर से स्थानीय स्तर पर श्री रोशनलाल जी हीरालाल जी मेहता द्वारा देखरेख की जाती है।

सम्पर्क सूत्र : मोबाइल : 92148 30192